Ranneti Recognition

युवा दिवस विशेष | प्रदेश के पहले इन्क्यूबेशन सेंटर के एक साल पूरे हुए, स्टार्ट अप कंपनियां अब बाहर फैलाने लगीं कारोबार

मतदाता से लेकर कबाड़ी तक सब पर स्टार्टअप

भोपाल। कुलदीप सिंगोरिया

उम्र 32 साल। 7 जनवरी 2015 तक कोचिंग सेंटर में सहायक की भूमिका, लेकिन मन में कुछ अलग करने की तमन्ना थी। लिहाजा, इंदौर के क्रिस्टल आईटी पार्क में खुले प्रदेश के पहले इन्क्यूबेशन सेंटर सृजन में आवेदन कर दिया। अपने पार्टनर व कोचिंग संचालक शिरीष शुक्ला के साथ इंस्पायर कंपनी शुरू की। दोस्तों से बातचीत में चुनाव पर एक विचार कौंधा। नेताओं से बात की तो चुनाव के वक्त सबसे बड़ी दिक्कत मतदाताओं की जानकारी के विश्लेषण की आई। शिरीष के साथ मिलकर शैलेंद्र पटेल ने

शैलेंद्र पटेल

शिरीष शुक्ला

रणनीति एप तैयार किया। झाबुआ, शहडोल, नेपानगर से लेकर नगरीय निकायों में भी दलों ने एप का उपयोग किया। नतीजे अच्छे आए और अब उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी रणनीति का उपयोग शुरू हो गया है। एक साल में शिरीष और शैलेंद्र का महज 25 हजार से शुरू हुआ कारोबार करोड़ों में बदल चुका है। >> शेष पेज 10 पर

घर में रद्दी है तो बस फोन से बता दें

भोपाल का सबसे सफल स्टॉर्टअप है अपाइंटी और कबाड़ीवाला। अपाइंटी के सारे ग्राहक अमेरिका और अन्य देशों के हैं। जबकि कबाड़ीवाला के संचालक अनुराग असाटी के मुताबिक भोपाल में ही 5 हजार से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। जिसके पास घर में रद्दी है, वह फोन, फेसबुक या मैसेज के जरिए सूचना दे सकता है। आम कबाड़ियों की तुलना में ज्यादा रेट भी मिलेंगे और तौल की शिकायत भी नहीं मिलेगी।

भोपाल में निजी सेंटर में बना ऑफलाइन वॉलेट

भोपाल में सरकार की बजाय निजी क्षेत्र से पहला इन्क्यूबेशन सेंटर स्पेस तीन महीने पहले शुरू हुआ है। महज 22 साल के तैतिल सिंह मीक इसके संचालक हैं। उनकी विशेषज्ञ टीम की देखरेख में दस नंबर स्थित इस सेंटर की सभी 25 सीटें फुल हो चुकी हैं। यहां के एक स्टॉर्टएप जुप एप के जरिए 35 हजार कॉलेज छात्र भोपाल में ऑफलाइन ई वॉलेट का उपयोग कर रहे हैं। जुप बनाने वाले 23 वर्षीय अलमास अली बताते हैं कि आईआईटी मद्रास में यह आइडिया आया था। अब पढ़ाई के बाद यही बिजनेस शुरू कर दिया है।

क्या है इन्क्यूबेशन सेंटर

यह एक ऐसा स्थान है, जहां स्टार्ट अप के आइडिया को धरातल पर उतारने में मददगारों की एक टीम मेंटर के रूप में मिलती है। यह सेंटर मॉनीटरिंग, औद्योगिक क्षेत्र या दूसरे जानकार उद्यमियों को मार्गदर्शन देता है। यहां उद्यमियों के लिए कॉमन इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होता है। इंदौर में इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से 1 साल में 500 लोगों को रोजगार मिल चुका है।

रणनीति
THE GAME CHANGER

MP 27 | MLA 86 | MAYOR 12 | COUNCILER 211 | OTHER ELECTED 358

www.ranneeti.in | shelendra@theinspiregroup.in | Mob:- 98935-43895